Dr. Ranjeet Kumar.
Deptt. of History
H.D. Jain College, Ara.

बहमनी साम्राज्य :- इसकी स्थापना राजधानी गुलबर्गा के साथ अलाउद्दीन हसन बहमन शाह (1347-58) जिसे हसन गंगु के नाम से भी जाना जाता है (और जिसकी असली नाम इस्माइल मुख था) ने की थी।

कुल मिलाकर चौदह बहमनी सुल्तान हुए, जिनमें महत्वपूर्ण थे - अलाउद्दीन हसन (संस्थापक), मुहम्मद शाह-I (1358-77) जो हसन के तुरंत बाद शासक बना ताउद्दीन / ताजउद्दीन फिरोज शाह (1398-1422) जो इनमें सबसे महान शासक माना जाता है। अहमद शाह वली (1422-35) जिसने गुलबर्गा से हटाकर अपनी राजधानी बीदर में बनाई और जिसके शासनकाल में बहमनी शासन के "गुलबर्गा चरण' के अंत के बाद दूसरे 'बीदर चरण' की शुरुआत हुई।

महमूद गवां :- महमूद गवां (1463-81) के बीच मुहमद शाह-III का वकील और वजीर दोनों था। इसके शासन काल में बहमनी साम्राज्य का पुनरुत्थान हुआ। उसके सैनिक अभियानों में शामिल थे- कोंकण, गोवा, और कृष्णा-गोदावरी डेल्टा पर उसकी विजय। उसके सभी प्रशासनिक सुधार कुलीनों, सामंतों और प्रांतीय अधिकारियों पर सुल्तान के नियंत्रण को मजबूत करने पर केन्द्रीत थे।

असंतुष्ट कुलीन (नोबल) विशेषकर दक्षिणी सामंत जो अफाकियों (पश्चिम एशिया से आनेवाले) के आने से खिन्न थे, ने षड्यंत्र करके गवां (जो एक आफाकी था) को मृत्युदण्ड की सजा दिलवा दी। उस पर सुल्तान से विश्वासघात करने का इल्जाम लगाया गया। गवां के बाद बहमनी साम्राज्य बिखरने लगा और उसके पतन की शुरुआत हो गई।

→